

सीएम की बदौलत हुआ बीरबल की जमीन का इंतकाल

ज्वालामुखी। अंब पठियार के बीरबल शामा ने कहा कि पिछले 40 साल से मेरी जमीन के इंतकाल का केस लटका हुआ था। इतनी फैसली हो रही थी कि बता नहीं सकता। एक किसान का बेटा हुआ और इन्हे अरप्से के बाद अपनी जमीन दियी गई। जो आपके प्रयासों से ही सभव हो सकता है। किसान ने कितने दुखी थे कोई अंदाज़ नहीं लगा सकता।

जिला के ज्वालामुखी क्षेत्र के अंब पठियार में शामील थे जिसका गांव के द्वारा कार्यक्रम के दौरान यह भावानाएं व्यक्त कीं। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखखू द्वारा किए गए सवाल में उन्होंने यह बताया कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को राहत प्रदान करने के लिए ही प्रदेश भी राजस्व लोक अदालतों के अधीन जन किया जा रहा है। अपदा राहत पैकेज के लाभार्थी मदन सलाल को किया जाना किया गया और अब राज्य सलाल से तीन लाख रुपए की अधिक सहायता पहनी किस्त के रूप में मिली है और मकान का काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा सा मकान बनाओ, राज्य सरकार पूरे साथ लाख रुपए की मदद प्रदान कर रही है। नियम बदल कर मुआवजा राशि बढ़ावा दें।

न्यूज ब्रीफ

होली महोत्सव की बैठक 16 फरवरी को

पालमपुर। राज्य स्तरीय होली महोत्सव-2024 की बैठक 16 फरवरी को निर्धारित की गई है। बैठक प्रातः 11 बजे एसीएम पालमपुर एवं अध्यक्ष, राज्य स्तरीय होली महोत्सव नेत्री मंत्री की अध्यक्षता में अतामा परियोजना के सभागार में होगी। बैठक में राज्य स्तरीय होली महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर रूप रेखा तैयार की जाएगी। बैठक में उत्तरव सभीति के सभी सरकारी और गैरसरकारी सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

आशीष बुटेल दस को सुनेंगे जनसमस्याएं

पालमपुर। मुख्य संसदीय सचिव, शहीदी विकास एवं शिक्षा, आशीष बुटेल, नौ फरवरी को 11 बजे तार्ड स्पोर्ट्स कांलेक्स पीपी कॉलेज अंगु, हमीरपुर में राज्य स्तरीय इंटर-डाकटर स्पोर्ट्स मीट के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्रियों को सुनेंगे। इसके उपरांत तीन बजे सायुद्धायिक भवन राजपुर में लोगों से रू-ब-रू होंगे तथा जनसमस्याओं को सुनेंगे।

चारे से भरी गाड़ी लेकर नौजवान पहुंचे गोसदान

गण। जय श्रीम, गोमाता की जय के नारों को लेकर आज महेन्द्रन के जाति युवा वर्कर के नौजवानों ने आज चारे से भरे ट्रक को सराहगड़ी के गोसदान में भेट किया। वहीं, अंजुर राहतीयों ने बाताया की जीवनी से रुपए इकड़ा न कोई नया करने का जाजा रहता है। इस बार उन्होंने पांच-पांच से रुपए इकड़ा करके एक छोटे ट्रक में घास व चारा आदि गोसदान में भेट किया। उन्होंने कहा कि आगे भी यह अधिकार यू ही जारी रहेगा। इस अवसर पर दिया राजीविया शिरथारी लाल, सभी कुमार सहित और भी युवाओं ने इस पुण्य काम में भग्न दिया।

मछली दर ठेका देने पर किया विचार-विमर्श

जवाली। दी फिरीजी सोसायटी एजेसीएशन पौगंड की बैठक गुरुवार को उत्तराखण्ड का विधायक विकेट शर्मा की अध्यक्षता में संपूर्ण हुई। इसमें मछली दर ठेका देने पर दिया-दियर्थी किया गया। बैठक में संवर्तनीति से नियर्जन लिया गया कि ठेका पहली अप्रैल 2024 से। | मार्च 2025 तक दिया जाए। इसमें विशिष्ट मत्स्य सभाओं की विधियां विधिरत की गई। मत्स्य सहकारी सभा हिन्दूपुर की बोली 12 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे, नंदुपुर की बाब दोपहर 6 बजे, खटियांदि सभा की बोली एक फरवरी को सुबह 11 बजे, स्थान की बाब दोपहर 6 बजे, नंदोरा तथा जनसमस्याओं की बोली होगी।

मनोज कुमार को सौंपी कमान

डाकांगी। किसान सभा रियासत डाकांगी रियासत सुखखू द्वारा की बैठक गुरुवार को सभा के अध्यक्ष सुरुजीत सिंह सोपेहिया की अध्यक्षता में संपूर्ण हुई। इस बैठक में चर्चा के दौरान सभा के कुछ पदाधिकारी की अकस्मात् मृत्यु हो जाने पर सभा के अध्यक्ष द्वारा एस-संसदीय सदस्यों को मनोनीत किया गया। इसमें मनोज कुमार को वरिष्ठ उपायोगी वर्षे-रेस्ट दिया गया। वहीं, लोगों को दिवाड़ी भी दितरिट की गई। डॉ. दिव्या जरियाल के बैतूर में प्रयोगशाला तकनीविधान अनुराग, फार्मा अधिकारी सर्वजीत सहित आयामा प्रायोगिक सुदृश्य कुमारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सद्या सुदृश्य, मीरां कड़ेल पंचायत के दूसरे गोपाल, उप प्रयोगशाला तकनीविधान विजया नीति उपरित रहे।

परागपुर में 70 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

परागपुर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार अनुराग ठाकुर द्वारा प्राप्तिजीत संसदीय सारांशीय मानविक वाहन सेवा द्वारा परागपुर में एकदिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कुल 70 रोगियों का चिकित्सीय परीक्षण किया गया। शिविर में हड्डी रोग, शुगर, शीपी, साधारण रोगों के 33 मरीजों का लैब टेस्ट दिया गया। वहीं, लोगों को दिवाड़ी भी दितरिट की गई। डॉ. दिव्या जरियाल के बैतूर में प्रयोगशाला तकनीविधान अनुराग, फार्मा अधिकारी सर्वजीत सहित आयामा प्रायोगिक सुदृश्य कुमारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सद्या सुदृश्य, मीरां कड़ेल पंचायत के दूसरे गोपाल, उप प्रयोगशाला तकनीविधान विजया नीति उपरित रहे।

आरएस बाली ने नगरोटा बगवां पशु चिकित्सालय को दिए आठ लाख रुपए

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। उन्होंने कहा कि इस राशि से अस्पताल बाली पशुपालक इंश्वर समान होते हैं तथा पशुओं का पालन और सेवा करने वाले परिवर्त बदलनी है।

यह बात हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास नियम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपायोगिक कैबिनेट आरएस बाली ने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए बेहतर विकास संबंधी मिल सकता। उन्होंने रेली के दौरान विजेताओं को समानित करते आरएस बाली।

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। उन्होंने कहा कि इस राशि से अस्पताल को औंसे सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे पशुओं के उपचार के लिए बेहतर विकास संबंधी मिल सकता।

कॉफ रैली विधियों के आयोजन के लिए आयोजकों की प्रसारणी की और पशुपालकों का इस आयोजन में आने के लिए अध्यक्ष व्यक्त किया गया। उन्होंने इस पशुपालकों का एक बाली में उत्तराखण्ड के अंबर विधियों के लिए एक बाली को बदलने के लिए आठ लाख रुपए किया गया।

वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपसे लिया गया एक बाली को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया। वहीं, इस दौरान कार्यक्रम के अंत में उन्होंने इस कार्यक्रमी रेली प्रतियोगियों के बीच जीते रहने वाले लोगों को बदलने के लिए एक बाली को दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपस

बजट सत्र के बीच व्हाइट एंड ब्लैक पेपर पर सियासत

संसद में बजट सत्र के बीच केंद्र सरकार ने व्हाइट पेपर लाकर लोकसभा चुनाव से पहले राजनीति को गरमा दिया है। वहीं, विषयक ने भी सरकार के जबाब में ब्लैक पेपर लाकर अपना पूरा डिफेंस किया है।

एक तरफ केंद्र की सत्ता में आने से यानी 2014 से पहले और उसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति की तुलना बीजेपी नीति एनडीए सरकार ने की गई तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अर्थव्यवस्था की मॉडल के लिए 57 पेज का ब्लैक पेपर जारी कर इसे दस साल का अन्याय काल नाम दिया। अम चुनाव से पहले ही संसद का आखिरी सत्र है।

सरकार ने केवल व्हाइट पेपर लाने के लिए संसद के सत्र की अवधि बढ़ाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में एक व्हाइट पेपर लाने का जिक्र किया था, जिसे अब पूरा भी कर दिया है। केंद्र सरकार कहती है कि मोदी सरकार जब सत्र में आई थी, तब भारत 2014 में 'संकट' में था। इसके बाद अर्थव्यवस्था को सत्र विकास पथ पर लाने के लिए उन वर्षों के सकट पर काबू पाया गया।

सरकार ने पिछली कांग्रेस नीति यूपीए सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। वैसे व्हाइट पेपर एक सूचनात्मक रिपोर्ट होती है। यह सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और मुद्दों पर प्रकाश डालती है। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार विषयक को कोई मोक्ष की देना चाहती है, इसलिए इस समय व्हाइट पेपर लाया गया। अर्थव्यवस्था और व्हाइट पेपर उन्हें अगले महीनों में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले विषय पर हमला करने का मोक्ष हो।

दूसरी ओर कांग्रेस ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर उनकी फिलताएं छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने अपने इस ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के दस साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों, अल्पसंख्यकों और श्रमिकों पर हुए अन्याय का जिक्र किया। कांग्रेस ने बेरोजगारी के मसले पर केंद्र को देखा। कांग्रेस कहती है कि भाजपा के इस काल में बेरोजगारी सबसे अधिक पहुंच गई है। 2012 में बेरोजगारी जो दोगे थी, जो 2022 में बढ़कर चार करोड़ हो गई है। दस लाख स्वीकृत पद अभी भी खाली पड़े हैं।

ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट्स के मामलों में बेरोजगारी दर 33 फीसदी है। कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोपों का दौर तो चलता ही रहता है, लेकिन दोनों पार्टियों की सियासत का अब स्तर भी गिराया जा रहा है, जो कि लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। महज वोट बटोरें के लिए सियासी हवा बनाना दोनों पार्टियों की फिरतर बन गई है। व्हाइट एंड ब्लैक पेपर पर राजनीति किस कवर बैठती है, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तो तय है कि इस बार का चुनाव रोचक होने वाला है। मोदी सरकार के 'व्हाइट पेपर' के सामने क्या कांग्रेस का 'ब्लैक पेपर' टिक पाएगा, यह देखना दिलचस्प रहेगा।

परीक्षा पे चर्चा : जिंदगी परीक्षाओं से कहीं बड़ी और गहरी है

युवा पीढ़ी के लिए यह एक अद्भुत एहसास है, जब देश के प्रधानमंत्री उनका मनोबल बढ़ाने और समर्थन करने के लिए उनके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। वह भी ऐसे समय पर जब तबाव, भय, अवसाद और चिंता से उबरने में मदद करने के लिए मजबूत कंधे की आवश्यकता होती है। मैकाले शिक्षा प्रणाली ने बोर्ड परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के मन में उथल-पुथल मचा दी है।

जब तक तक बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति की तुलना बीजेपी नीति एनडीए सरकार ने की गई तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अर्थव्यवस्था की मॉडल कर्जार इसे दस साल का अन्याय काल नाम दिया। अम चुनाव से पहले हमला करने के लिए उन वर्षों के सकट पर काबू पाया गया।

सरकार ने पिछली कांग्रेस नीति यूपीए सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। वैसे व्हाइट पेपर एक सूचनात्मक रिपोर्ट होती है। यह सरकार के नीतियों, उपलब्धियों और मुद्दों पर प्रकाश डालती है। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार विषयक को कोई मोक्ष की देना चाहती है, इसलिए इस समय व्हाइट पेपर लाया गया। अर्थव्यवस्था और व्हाइट पेपर उन्हें अगले महीनों में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले विषय पर हमला करने का मोक्ष हो।

दूसरी ओर कांग्रेस ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर उनकी फिलताएं छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने अपने इस ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के दस साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों, अल्पसंख्यकों और श्रमिकों पर हुए अन्याय का जिक्र किया। कांग्रेस ने बेरोजगारी के मसले पर केंद्र को देखा। कांग्रेस कहती है कि भाजपा के इस काल में बेरोजगारी सबसे अधिक पहुंच गई है। 2012 में बेरोजगारी जो दोगे थी, जो 2022 में बढ़कर चार करोड़ हो गई है। दस लाख स्वीकृत पद अभी भी खाली पड़े हैं।

ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट्स के मामलों में बेरोजगारी दर 33 फीसदी है। कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोपों का दौर तो चलता ही रहता है, लेकिन दोनों पार्टियों की सियासत का अब स्तर भी गिराया जा रहा है, जो कि लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। महज वोट बटोरें के लिए सियासी हवा बनाना दोनों पार्टियों की फिरतर बन गई है। व्हाइट एंड ब्लैक पेपर पर राजनीति किस कवर बैठती है, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तो तय है कि इस बार का चुनाव रोचक होने वाला है। मोदी सरकार के 'व्हाइट पेपर' के सामने क्या कांग्रेस का 'ब्लैक पेपर' टिक पाएगा, यह देखना दिलचस्प रहेगा।



लेखक : पंकज जगनाथ
जायसवाल
हिंदुस्थान समाचार से संबद्ध है

आयोवांद की तरह है, क्योंकि वे उन आंतरिक गुणों को समझे लाते हैं, जिन पर हमने अभी तक ध्यान केंद्रित नहीं किया है, वे हमारे जीवन में अपेक्षित विकास के लिए आवश्यक हैं। जब हम आमाविश्वास औं जून के साथ आधिकारियों के द्वायां चुनावीयों का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने दोस्री भी मोदी का तरह दिया है कि वे उत्तर द्वारा बच्चों के लिए आवश्यक हैं। अपनी परीक्षाओं और जीवन के बारे में संक्षेप में क्या जाना चाहिए।

बच्चों को जीवन को व्यापक दृष्टिकोण से समझना होगा कि बोर्ड या प्रतियोगी परीक्षाएं इस विशाल अस्तित्व के बारे में उनके बच्चों के लिए अधिकारियों के द्वायां-सा हिस्से हैं। जीवन के विभिन्न चरणों में अस्तित्व के विभिन्न चरणों में अस्तित्व के लिए पहलुओं को जीवन के बारे में उनके बच्चों के लिए अधिकारियों को समझने में अस्तित्व के लिए अपरिहार्य है। हम उनके जीवन के बारे में उनके बच्चों के लिए अवधारणा करते हैं, वे समझ में एक बूँद के समान हैं। हम अपनी पढ़ाई या अपने जीवन में जिन समस्याओं का समान हैं। इस तथ्य को आसानी से समझ सकता है कि अगले दिन भगवान श्रीराम को राजा बनना था, लेकिन उससे एक रात तक आपने जीवन के समय प्राप्त करते हैं, वे बास्तव में छिपे हुए।

बच्चों को जीवन को व्यापक दृष्टिकोण से समझना होगा कि बोर्ड या प्रतियोगी परीक्षाएं इस विशाल अस्तित्व के बारे में उनके बच्चों के लिए अधिकारियों के द्वायां-सा हिस्से हैं। जीवन के विभिन्न चरणों में अस्तित्व के लिए अपरिहार्य है। हम उनके जीवन के बारे में उनके बच्चों के लिए अवधारणा करते हैं, वे समझ में एक बूँद के समान हैं। हम अपनी पढ़ाई या अपने जीवन में जिन समस्याओं का समान हैं। इस तथ्य को आसानी से समझ सकता है कि अगले दिन भगवान श्रीराम को राजा बनना था। वे बास्तव में छिपे हुए।

पहले ही उहें 14 साल के लिए वनवास पर जाने के लिए वनवास श्रीराम ने अपने जीवन के द्वाया किन्तु दौर को बिना किसी संदेह करना चाहिए। यह परिणाम वर्षावास के बारे में दिलाई करने के बारे में स्वीकार किया और खुशी-खुशी महल से बाहर जाना स्वीकार कर लिया। श्रीराम का जीवन बच्चों को यह दिशा देता है कि कैसे हर कठिनाई को शांत करने के लिए वनवास में देखें, परिवर्तन के पूरे दिल से स्वीकार करें, क्योंकि वे बाहर जाने के बारे में लगातार कमज़ोर होते हैं और परटी से उत्तर जाते हैं। गीता के प्रत्येक लोकों के बारे में लगातार कौशल और तकनीक बढ़ावा देता है और जुनून के साथ प्रयास करें।

यदि आप अपनी बोर्ड परीक्षाओं के कारण बहुत तनाव और दबाव में हैं, तो जान लें कि आपको जीवन में अधिक चुनावीयों और परिस्थितियों का समान करना पड़ेगा। भगवान श्रीकृष्ण, छर्पत शिवाय जीवराज और आचार्य चाण्डीवाल के जीवन का अध्ययन से जीवन के लिए अवधारणा की तरह है। यह परिणाम के बारे में लगातार कमज़ोर होते हैं और परटी से उत्तर जाते हैं। गीता के प्रत्येक लोकों के बारे में लगातार होते हैं और हमारे जीवन के अनुभव और जीवन के लिए दो विपरीत दृष्टिकोणों का साथ आये।

भौतिकवादी हिस्सों पर वर्लिंग आधारिक पहलुओं पर भी जोर दिया। मन की शांति आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी और कुशलता के अनुभव देकर जीवन को आसान करता है।

छर्पत शिवायी महाराज के आर्थिरीयन संसाधन में तेजी लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, लैकिन कई स्कूल, कालेज और स्थानान्तर के प्रत्येक विद्यालय के बारे में लगातार चाहिए। छर्पत शिव

बाबा भूतनाथ स्वयंभू शिवलिंग पर वीरवार रात्रि चढ़ा माखन, मंदिर को सजाने के लिए दिल्ली से मंगाए हैं रंग-बिरंगे पुष्प

देव श्री सियून गहरी ने बाबा भूतनाथ मंदिर में नवाया शीश, देव ध्वनि से गूंजी छोटी काशी

अनंत ज्ञान ब्लॉग मंडी



मरुखन चढ़ाने की परंपरा सदियों पुरानी

आठ मार्च शिवरात्रि पर्व तक शिवलिंग पर प्रतिदिन देश के अलग-अलग गांवों में स्थित शिव के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन होते हैं। यही नहीं शिव के विभिन्न स्वरूपों के साथ-साथ श्याम की इतिहासिक व धार्मिक स्वरूपों के दर्शन होते हैं। यही नहीं शिव के विभिन्न स्वरूपों के साथ-साथ श्याम की जातिप्रेक के साथ श्याम किया जाता है। बाबा भूतनाथ मंदिर में मरुखन चढ़ाने की परंपरा का इतिहास सदियों पुराना है। मरुखन चढ़ाने की परंपरा 1527 ईसे मंडी नगर की स्थापना से चली आ रही है।

परंपरा का एक महीना पहले से शुरू हो जाती है।



बाबा भूतनाथ मंदिर में साफ-सफाई करते श्रद्धातु



है, उसका भी विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जैसे हाथों पर शादी से एक मास पहले तैयारी शुरू हो जाती है। इसी तरह महाशिवरात्रि पर्व की भी एक मास से पहले ही तैयारी हो जाती है। उन्होंने कहा कि भूतनाथ मंदिर में शिवलिंग पर वीरवार को ताता ग्राहि से शिवलिंग पर मंदिर के पुजारी व अन्य श्रद्धालुओं ने मरुखन चढ़ाया। वहीं मंदिर को सजाने के लिए दिल्ली से रंग बिंगे पुष्प भी मंगाए गए हैं, जिसकी खुशबू से मंदिर परिसर महक उठेगा।

न्यूज ब्रीफ

वेदांत कृटीर में लगाया खिड़की का भंडारा

मंडी ब्लॉग घाट पर स्थित वेदांत कृटीर मंडी में हवा वर्ष की भाँति इस वर्ष की भी माघ मास के अंत में खिड़की का भंडारा लगाया गया। यह आयोजन वेदांत कृटीर की अध्यक्ष साथी सेवानंद सरस्वती की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान संप्रदाय सुदूरकट पाठ का आयोजन किया गया। उसके पश्चात कुछ दोस्रों को खिड़की का प्रसाद ग्रहण करवाया गया और उन्हें बैश्वानंद संस्कार का श्रूतिशाला और अन्य सामग्री भेंट की गई। इस मौके पर अधिक संख्या में श्रद्धालुओं ने खिड़की का प्रसाद ग्रहण कर आयोजन किया गया।

कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक

जोगिनिगंगा। यात्रीवार गांधी स्मारक राजकीय महिलाशाला योगिनिगंगा के सड़क सुरक्षा तत्व के सदस्यों ने वीरवार को आम जलवा को सड़क सुरक्षा के नियमों पर जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया। छात्र-छात्राओं ने लोकल बस और अपराधियों को सलाखों को पाले पहुंचने से सफलता महत्व का दर्शन किया है। इस बार मंडी पुलिस ने मंडी शहर में चिट्ठी की सफलाई करने वाले मां और बेटे का ध्वनि बोला है।

इन दोनों आयोजियों को बीते रोज मंडी शहर के बराबरीवार से साढ़े 20 ग्राम चिट्ठी के साथ पकड़ा है। ये लोग पंजाब से चिट्ठी की सफलता के प्रतीक जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया है। अपराधियों को पकड़ा जाने का महिला पुलिस का विशेष योगदान रहा। इस गौके सड़क सुरक्षा करब की नोडल प्रशासी प्रोकेसर विधि भारतीय, प्रो. डॉ. श्रवण, प्रो. ममता, प्रो. नेमा, प्रो. आरती, प्रो. बिमला तथा प्रो. वरीन राठोर उपर्युक्त रहे।

नशा समाज को कर रहा बबादः शिव वालिया

जोगिनिगंगा। राजकीय औपरियोगी प्रशिक्षण संस्थान जोगिनिगंगा के सड़क सुरक्षा तत्व के सदस्यों ने वीरवार को आम जलवा को सड़क सुरक्षा के नियमों पर जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया। छात्र-छात्राओं ने लोकल बस और अपराधियों को सलाखों को पाले पहुंचने से सफलता महत्व का दर्शन किया है। इस दौरान प्रदेशी इंस्टीटिउट नवीन कुमारी, बुद्ध अनुशुद्धक रसेना वेणी, बैकन गुरुरेया व संस्थान के सभी अनुदेशक और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए युवा शिव वालिया ने बताया कि नशा समाज को धीरे-धीरे बबाद कर रहा है। उन्होंने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए समाज के हर वर्ष को आगे आग पड़ा और शासन प्रशासन का सहयोग करना पड़ा।

होली वाइल्ड स्कूल में मेरिट सर्टिफिकेट वाटे

होली वाइल्ड स्कूल में होनार छात्र छात्राओं को मेरिट सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

जोगिनिगंगा। होली वाइल्ड परिवक स्कूल जोगिनिगंगा स्थित देलू के दसाई कक्षों के 25 विद्यार्थियों द्वारा बोर्ड के पाउडरेशन फॉर लैटरी के विभिन्न शैक्षिक और व्याकुल विद्यार्थियों को नक्शे के प्रतीक जागरूक करने के लिए एक इंस्टीटिउट नवीन कुमारी, बुद्ध अनुशुद्धक रसेना वेणी और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए युवा शिव वालिया ने बताया कि नशा समाज को धीरे-धीरे बबाद कर रहा है। उन्होंने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए समाज के हर वर्ष को आगे आग पड़ा और शासन प्रशासन का सहयोग करना पड़ा।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक

जोगिनिगंगा। यात्रीवार गांधी स्मारक राजकीय महिलाशाला योगिनिगंगा के सड़क सुरक्षा तत्व के सदस्यों ने वीरवार को आम जलवा को सड़क सुरक्षा के नियमों पर जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया। छात्र-छात्राओं ने लोकल बस और अपराधियों को सलाखों को पाले पहुंचने से सफलता महत्व का दर्शन किया है। इस दौरान प्रदेशी इंस्टीटिउट नवीन कुमारी, बुद्ध अनुशुद्धक रसेना वेणी, बैकन गुरुरेया व संस्थान के सभी अनुदेशक और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए युवा शिव वालिया ने बताया कि नशा समाज को धीरे-धीरे बबाद कर रहा है। उन्होंने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए समाज के हर वर्ष को आगे आग पड़ा और शासन प्रशासन का सहयोग करना पड़ा।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक

जोगिनिगंगा। नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

नेशनल कॉलेज छात्रों ने नुक़टङ नाटक से किया जागरूक।

